Name - Bhupendra Chauhan
MPPSC - 2019 Test series

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)
1 A	[illegible] इस्लामकालीन संकलन का एक स्वरूप है जो कि किस ग्रंथ से संबंधित है
1 B	शतपथ ब्राह्मण वैदिककालीन साहित्य के उपनिषद ग्रंथों के वेद है
1 C	चार आर्य सत्य — बौद्ध धर्म से संबंधित है → दुःख → दुःख समुदाय → दुःख निरोध → दुःख निरोधगामिनी प्रतिपदा
1 D	इक्ष्वाकु वंश के साथ ही काल के प्राचीन राजवंश को स्थापित किया था इक्ष्वाकु ने अयोध्या को अपनी राजधानी बनाया
1 E	नागभट्ट प्रथम के साथ ही गुर्जर प्रतिहार वंश की स्थापना हुई थी उनका काल से मालवा, गुजरात से शासन किया था
1	

Scanned by CamScanner

2

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 F

तुज़ुक-ए-जहाँगीरी मुगलकालीन ग्रंथ है जो कि जहाँगीर द्वारा लिखी गई थी तथा यह तुर्की भाषा में लिखी हुई है।

1 M

दीवान-ए-कोही सल्तनकाल के एक प्रकार का विभाग था जो कि अनाज के भंडारण से संबंधित था।

1 J

देवबंद आंदोलन 18 वीं सदी का आंदोलन था जो कि बंगाल व उसके आस-पास के लोगों ने कृषक हितों के अधिकार हेतु किया था

1 K

मदन लाल धींगरा → क्रांतिकारी नेता थे
→ अभिनव भारत संघ के सदस्य के आरोपी जनरल आर. डायर की भारतीय सैनिकों के विरुद्ध कहा औ. डायर की हत्या कर दी गई थी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

2 m

मार्कोपोलो → बतूता का यात्री का
→ पाण्ड्य वंश के शासनकाल में भारत आया था

2 n

सिवीट ऑफ ला →
→ कान्टेस्क्यू द्वारा रचित एक कृति
→ पुनर्जागरण कालीन साहित्य
→ जनता के हितो के संरक्षण व अधिकार हेतु प्रयास के संदर्भ मे

2 o

लार्ड नॉर्थ → ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री थे
→ पेरिस संधि के महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी
वर्साय की संधि में भी
→ योगदान रहा था।

Scanned by CamScanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 a

सिंधु घाटी सभ्यता का आर्थिक जीवन

आर्थिक जीवन

- इस काल में लोग लोहे से परिचित नहीं थे किंतु तांबे से परिचित थे फलस्वरूप तांबे के बर्तन औजार का व्यापार
- ताम्रलिपि बंदरगाह से व्यापार किया जाता था लोथल गुजरात की महत्वपूर्ण केन्द्र थे इस काल में लोग मनके, मोती, रत्नों का आदान-प्रदान किया जाता था
- सिंधु घाटी सभ्यता में पहियागाड़ी, बैलगाड़ी, पशुगाड़ी का प्रचलन था
- सौंदर्य प्रसाधन की चीजों/वस्तुओं का व्यापार किया जाता था

इस प्रकार सिंधु घाटी की सभ्यता उस काल में अपने चरम अवस्था में थी

Scanned by CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 B

उत्तरवैदिक काल का समय 1000-600 ई.पू. माना जाता है इस काल के अनेक धार्मिक परिवर्ति देखने को मिले है

धार्मिक नीति
- इस काल मे मूर्तिपूजा प्रचलित की परम्परा बिन जाति की पूजा की जाती थी
- बाहरी आडंबरवाद का प्रचलन नहीं था
- समाज मे धर्म का स्थान अच्छा था
- कर्मकांडो, जादू टोना तांत्रिक विद्या का विरोध किया जाता था
- बहुदेववाद का प्रचलन नहीं था
- समाज मे मूर्तिपूजा व एकेश्वरवाद पर बल दिया जाता था

इस प्रकार वैदिक काल मे धार्मिक जीवन का अपना एक महत्व था

Scanned by CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

2 c

अशोक मौर्य साम्राज्य का एक प्रतापी राजा था उन्होंने अपनी बात जनता तक अभिलेखों, शिलालेखों द्वारा पहुंचाई गई थी अशोक के अभिलेखों का अपना महत्व है जो इस प्रकार है

→ अशोक के गुर्जरा-कैबलमा की अभिलेख से उसके नाम का पता चलता है देवानामप्रिय राजा

अशोक के शिलालेख → अशोक के प्रथम वृहद शिलालेख से प्रकृति वन जीवो के संरक्षण हेतु बात की गई है

→ अशोक के द्वितीय वृहद शिलालेख से पता चलता है उन्होंने समाज के लिए बावड़ियाँ खुदवायी, विश्रामस्थल का निर्माण करवाया था

→ 12वे निगालीसागर अभिलेख से बौद्ध स्तूप का संवर्धन करवाया था

2 D

सामंतवाद एक प्रकार की सामाजिक, आर्थिक राजनीतिक परिस्थितियों से उत्पन्न एक स्थिति थी जिसके कारण मध्यकालीन इतिहास में अनेक परिवर्तन देखने को मिलते है

सामंतवाद की विशेषता

- राजनीतिक कारक
  - (1). प्रभावी नियंत्रण व केन्द्रीकरण
  - (2). सेना की आपूर्ति
  - (3). युद्ध व अकाल के समय निश्चित सेना का प्राप्त होना
- आर्थिक कारक →
  - (1). निश्चित आय में वृद्धि
  - (2). कृषि विकास
  - (3). खाद्यान्न में वृद्धि हुई
  - (4). भूमि की उत्पादकता में वृद्धि हुई
- सामाजिक कारक
  - (1). नया संवर्ग का उदय
  - (2). भौतिक सुविधाओं में वृद्धि
  - (3). जाति - व्यवस्था में कमी
  - (4). महिला स्वाधीनता का विकास

Scanned by CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

→ अशोक द्वारा दिये पांचवे वृहद शिलालेख से पता चलता है कि उसने धम्म कार्य के लिए धम्म महामात्र की नियुक्ति की थी

→ अशोक के शिलालेखो में धम्म की बात की गई है।

इस प्रकार अशोक ने अपनी बात वृहद शिलालेख व अभिलेखो द्वारा जनता तक पहुंचाई थी।

Scanned by CamScanner

2 F

अलाउद्दीन खिलजी सल्तनतकाल काल का एक प्रतापी शासक माना जाता है जिसकी बाजार नियंत्रण नीति इतिहास में बहुत चर्चित रही है।

अलाउद्दीन के दक्षिण अभियान

→ अलाउद्दीन खिलजी ने दक्षिण अभियान हेतु से ही मलिक काफूर को पकड़ा का काम में इसे ही सेनानायक बनाया

→ अलाउद्दीन खिलजी ने दक्षिण के दौलताबाद, देवगिरि पर आक्रमण किया था

→ दक्षिण अभियान के परिणामस्वरूप उसने कवाई दरवाजा का निर्माण दिल्ली में करवाया था

→ अलाउद्दीन खिलजी ने राजाओं को पराजित किया था

→ खिलजी ने दक्षिण के राजाओं को अधिकार अपने अधीन कर लिया था

इस प्रकार अलाउद्दीन की दक्षिण नीति एक कूटनीति नीति थी।

Scanned by CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

2 6

मुगलकालीन दक्षिण नीति →

मुगलकाल के शासन के आवश्यक नीतियों के फलस्वरूप दक्षिण पर आक्रमण करके व संतुलन बनाने के लिए दक्षिण नीति का अनुसरण किया था

दक्षिण नीति

→ मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी परिवर्तन करके उसे दक्षिण के दौलताबाद ले गया था

→ मुहम्मद बिन तुगलक के बाद (पश्चात) के शासक ने पुनः राजधानी दिल्ली स्थापित की थी

→ अकबर ने मालवा पर आक्रमण करके वहा कपाट मंदिर को ध्वस्त किया था

→ अकबर ने मेवाड़ को युद्ध में पराजित करके राजपूतों की मदद से दक्षिण पर राज किया था

→ मुगलकाल में अकबर ने दक्षिण विजय के मौके पर ही आसीरगढ़ के किले को स्वर्ण चाबी से खोला गया था यह उसकी विजय का प्रतीक है।

Scanned by CamScanner

2 म

मराठा साम्राज्य मे शिवाजी का नाम सबसे ऊपर आता है। क्योंकि शिवाजी मराठो के उदय व उस समय के प्रतापी राजा रहे है। उनका जन्म महाराष्ट्र के शिवनेरि मे हुआ था

शिवाजी का योगदान

→ गुरिल्ला युद्ध पद्धति का विकास

→ चौथ व सरदेशमुखी कर का वसूलना

→ अष्टप्रधान मंत्रिमण्डल के द्वारा शासन का विकेन्द्रीकरण

→ मुगलकाल के राजाओ के युद्ध करना तथा उनमे विजयी होना

→ मराठो का एकीकृत शक्ति के रूप मे उदय मे योगदान

→ मराठो मे जनजागरूकता लाना व सक्रिय नेतृत्व करना

→ मराठो की संस्कृति व हितो का संरक्षण

Scanned by CamScanner

→ दक्षिण के अपार धन संपत्ति को लूट के विचार आनी ने लगाया था

→ दक्षिण में एक बड़ी शक्ति शिवाजी की थी जिसने कि आदिलशाह एवं व अफजल खां को युद्ध के लिए छेड़ा गया था

→ दक्षिण में मराठों की बड़ी शक्ति थी जिसे युद्ध के पराक्रम करके दक्षिण के राज्य किया था

इस प्रकार मुगलकालीन दक्षिण नीति ने मुगलकालीन साम्राज्य को बढ़ाने में महती भूमिका निभाई थी।

Scanned by CamScanner

2 1

लार्ड विलियम बैंटिक भारत के ब्रिटिश साम्राज्य के गवर्नर जनरल रहे है। विलियम बैंटिक द्वारा देश हित के कई प्रकार के सुधार किए गए है।

विलियम बैंटिक का योगदान

- विलियम बैंटिक ने सन् 1829 ई. में सतीप्रथा पर प्रतिबंध लगाया था
- अंग्रेजी शिक्षा पद्धति को पुरजोर समर्थित किया था
- देश में बाल विवाह, आडंबर आदि कर्मकांड का विरोध किया था
- देश के हित में विलियम बैंटिक द्वारा कालेजों, स्कूलो का निर्माण करवाया था
- आइसीएस परीक्षा के लिए भारतीयों का समर्थन देना व जागरूक किया

इस प्रकार देखा जाए तो विलियम बैंटिक सामाजिक हितो की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध थे।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

2 K

औद्योगिक क्रांति उद्योगों में आई गतिशीलता, शहरीकरण, पूंजी निर्माण के फलस्वरूप उत्पन्न हुई थी जो वैज्ञानिक अनुसंधानों का परिणाम थी।

सकारात्मक →

→ महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ
→ लिंग-भेद में कमी

सामाजिक परिणाम

→ भौतिकतावाद का विकास
→ रहन सहन स्तर में वृद्धि
→ लोगों का रोजगार में वृद्धि

नकारात्मक →

→ संयुक्त परिवार का विघटन
→ बढ़ता शहरीकरण
→ अपराध, चोरी का बढ़ना
→ मजदूरों का अधिक शोषण
→ काम के घंटे निश्चित न होना
→ नैतिक मूल्यों का विघटन होना

औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप एक नयी नवचेतना का संचार हुआ था

2 L

1688 की अंग्रेजी गौरवशाली क्रांति को रक्तहीन क्रांति भी कहा जाता है क्योंकि इसमें किसी का एक बूंद रक्त भी नहीं बहाया गया

1689

- संसद के ताकत स्तर पर सर्वोच्चता स्थापना हुई थी
- सेना पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ
- देश में एक कानून तथा संसद द्वारा पारित
- राजा की निरंकुशता पर अंत
- संसद द्वारा कानून का निर्माण होना
- लोकतंत्र की स्थापना
- विभिन्न वर्गों व लोगों संबंधी प्रशासक नियुक्त किए गए

इस प्रकार गौरवशाली क्रांति को लोकतंत्र की जीत के लिए आवश्यक थी।

Scanned by CamScanner

प्रश्न संख्या 3 क

फ्रांसीसी क्रांति →

फ्रांसीसी क्रांति सन् 1789 ई. की महान क्रांति थी जो कि सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्थितियों का परिणाम थी

प्रभाव →

राजनीतिक प्रभाव →

(i) उदारवादवाद का विकास
(ii) प्राचीन राजवंशों का अंत
(iii). फ्रांस में एक केन्द्रीकृत शासन व्यवस्था की स्थापना
(iv). विश्व की राजनीति में फ्रांस का अस्तित्व कायम

सामाजिक प्रभाव →

(1) नये वर्गों का उदय होना विशेषाधिकार व जीवनशैली
(2). फ्रांस में निरंकुश शासन व्यवस्था का अंत
(3). लोगों को रोजगार
(4) एक समानता व लिंग के प्रभाव के ...
(5). जटिल सरलीकरण

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

आर्थिक प्रभाव → ~~आर्थिक~~ राज्य के आर्थिक लाभ में कमी की गई

→ बिल्लावों द्वारा आर्थिक नीतियों की घोषणा

→ खाद्यान्न सुरक्षा हेतु राशनिंग प्रणाली की व्यवस्था

→ आर्थिक प्रभाव के कारण ही देश की आर्थिक व्यवस्था पटरी पर लौटी।

इस प्रकार फ्रांस की राजनीति से सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक प्रभुत्व जिम्मेदार होते है तथा आगे इसी के फलस्वरूप अधिनायकवाद का विकास हुआ था।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

3 D

3(D) का उत्तर

अकबर मुगलकाल का महान सम्राट था क्योंकि उसकी सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक नीति, राजनीतिक क्रियाविधि इत्यादि से क्षेत्र की विभिन्न नीतियों के माध्यम से अकबर की महानता को देखा जा सकता है।

धार्मिक नीति →
- अकबर द्वारा इबादतखाना की स्थापना
- दीन-ए-इलाही धर्म की स्थापना
- अकबर द्वारा हिंदू पत्नियों से विवाह
- राजपूतों का समर्थन लेना
- जजिया कर को समाप्त करना

राजनीतिक नीति →
- अकबर द्वारा दक्षिण व मालवा अभियान
- वजीर से परामर्श लेना
- पानीपत का द्वितीय युद्ध
- मराठों से संघर्ष
- दक्षिण की गुजरात विजय के उपलक्ष्य में बुलंद दरवाजा का निर्माण

आर्थिक नीतियाँ
- → दीवान-ए-कोही की स्थापना
- → मुद्रास्फीति के समय जमाखोरी को दंड प्रदान देना
- → एक समान मुल्य व मुद्रा का प्रचलन करना
- → अकाल के समय खाद्यान्न सुरक्षा

सामाजिक स्थिति
- → सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व होना
- → भेदभाव का विरोध करना
- → महिला का उच्च स्थान
- → काम के बदले जागीर प्रदान करना
- → दासो के प्रति नरम रवैया
- → एक समान कर की व्यवस्था करना

Scanned by CamScanner

प्रश्न संख्या

इस प्रकार देखा जाए तो अकबर की धार्मिक राजनीतिक स्थिति उसे एक महान सम्राट बनाती है।

प्रश्न संख्या 3 E

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

3(E) का उत्तर

1857 के विद्रोह →

1857 का विद्रोह

31 ~~मई~~ को 1857 को मेरठ छावनी से प्रारंभ हुआ था

1857 के विद्रोह की प्रकृति	
	→ 1857 का विद्रोह एक सैन्य विद्रोह था ना कि क्रांतिकारी विद्रोह था
	→ 1857 का विद्रोह एक नियोजित सोच व रणनीति का परिणाम नहीं था
	→ घोषित तिथि से पहले ही प्रारंभ हो गया था
	→ क्रांति का प्रभाव दिल्ली के आस-पास कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित था सम्पूर्ण देश में नहीं था
	→ क्रांति के नेताओं के अलग-अलग वैचारिक दृष्टिकोण भी था

प्रश्न संख्या | मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

→ 1857 की क्रांति में एक कुशल नेतृत्व का अभाव था

→ परिवहन व्यवस्था व संचार व्यवस्था का प्रभावी रूप से न होना भी इसका प्रमुख कारण था

→ क्रांतिकारियों के पास अस्त्र, शस्त्रों का अभाव था।

→ क्रांतिकारियों के नेतृत्व का अभाव था जिससे कि समुचित तरीके से संचार का प्रसारण नहीं हो सका था

→ क्रांतिकारियों के पास दिल्ली के महत्व का अर्थ नहीं पता था क्योंकि अंग्रेजों ने सबसे पहले दिल्ली पर नियंत्रण स्थापित किया जिसके बाद पूरी क्रांति को नियंत्रित कर लिया था

क्रांति के अपने सामाजिक, राजनीतिक आर्थिक परिणामों के फलस्वरूप 1858 में हुई थी।

Scanned by CamScanner